ब्रेन डेड मरीज अंगदान कर तीन लोगों को दे गया नई जिंदगी

एक्सीडेंट में ब्रेन डेड होने के बाद गुजरात निवासी तेजस के अंगों को परिजनों ने दूसरे मरीजों को दान किया

जयपुर। गुजरात का ब्रेन डेड हुआ व्यक्ति तीन लोगों को नई जिंदगी दे गया। शहर के प्रताप नगर स्थित नारायणा हॉस्पिटल में शनिवार को राज्य का 59वां अंगदान किया गया। ब्रेन डेड व्यक्ति का लिवर और दोनों किडनी एसएमएस हॉस्पिटल और नारायणा हॉस्पिटल में भर्ती तीन मरीजों को लगाई गई।

- **एसएमएस मेडिकल कॉलेज में लिवर और एक किडनी का जबकि नाराणाया अस्पताल में दूसरी किडनी का ट्रांसप्लांट हुआ**

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि पिछले दो महीने से ट्रांसप्लांट से जुड़ी गतिविधि नहीं हो सकी, लेकिन अभी राज्य सरकार के निर्देशानुसार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह द्वारा गठित की गई नई कमेटी के बाद अब वापस से एसएमएस मेडिकल कॉलेज के ट्रांसप्लांट प्रोग्राम शुरू हो गया है। इसी कड़ी के शुक्रवार को दो मरीजों को ब्रेन डेड व्यक्ति के अंग प्रत्यारोपित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि गुजरात निवासी 44 साल के तेजस उपेन्द्र कुमार का 21 मई को एक्सीडेंट हो गया था। इसके बाद उनको इलाज के लिए नारायणा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। इलाज के दौरान वह ब्रेन डेड हो गए।

बारह घंटे चली ट्रांसप्लांट प्रक्रिया

लिवर ट्रांसप्लांट करने वाले सीनियर हेपेटोबिलियरी सर्जन डॉ. दिनेश भारती ने बताया कि ब्रेन डेड व्यक्ति का लिवर 44 वर्षीया महिला को लगाया गया है। नारायणा अस्पताल में व्यक्ति के ब्रेन डेड होने के बाद सोटो के पदाधिकारियों ने उसके परिजनों की काउंसिलिंग की। परिजनों से अंगदान की सहमति प्राप्त होने के बाद शाम 5 बजे से व्यक्ति के अंगों को रिट्रीव करने की प्रक्रिया चली। शाम सवा आठ बजे अंग एसएमएस में पहुंचे और सुबह साढ़े छह बजे तक लिवर ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया पूरी हुई।

32 वर्षीय मरीज को लगी किडनी

किडनी ट्रांसप्लांट करने वाले यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ. नचिकेत व्यास ने बताया कि किडनी कोटा निवासी एक 32 वर्षीय पुरुष को लगाई गई है, जो काफी समय से किडनी फेलियर की समस्या से जूझ रहा था। ट्रांसप्लांट के बाद किडनी अच्छे से काम कर रही है और घंटे 600 एमएल तक यूरीन बना रही है।

हार्ट नहीं आ सका काम

डॉक्टरों के मुताबिक तेजस को इलाज के दौरान उसको दो बार सीपीआर दिया गया, ताकि उसको बचाया जा सके। ब्रेन डेड होने और सीपीआर करने के बाद हार्ट को ट्रांसप्लांट किया जाना संभव नहीं था। ट्रांसप्लांट के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी गई। एसएमएस में लिवर ट्रांसप्लांट का ये दूसरा केस है।

कांग्रेस एक डूबता जहाज : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि गहलोत साहब, कांग्रेस एक डूबता जहाज है जिसमें कोई भी राजनीतिक नेता सवार होकर अपने भविष्य को दांव पर नहीं लगाना चाहता। आप जिन नेताओं को "नॉन परफॉर्मिंग असेट" बता रहे हैं, कल तक वो आपकी ही पार्टी के लिए परफॉर्मिंग असेट हुआ करते थे। राठौड़ ने कहा कि जितिन प्रसाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, अमरिंदर सिंह, गौरव वल्लभ, आचार्य प्रमोद कृष्णम एवं अशोक चव्हाण जैसे दर्जनों वरिष्ठ नेताओं को आपकी पार्टी ने दरकिनार किया। इन नेताओं की वर्षों की तपस्या और मेहनत पर परिवारवाद हावी रहा। इन्हें भाजपा में वो सम्मान मिला, जिसके वे हकदार थे। राठौड़ ने कहा कि 4 जून का इंतजार कीजिये, मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों के बाद सबसे बड़े "नॉन परफॉर्मिंग असेट" और लाइबिलिटी का तमगा आपकी पार्टी कांग्रेस और युवराज राहुल गांधी को ही मिलेगा।

हीटवेव प्रबंधन में लापरवाही पर 12 अफसरों को नोटिस जारी

एस.एम.एस अस्पताल में अति. अधीक्षक व चिकित्सा प्रभारी अधिकारी विद्युत और यांत्रिकी डॉ. गिरीश चौहान सहित चार लोगों को नोटिस जारी

जयपुर। राज्य सरकार ने हीटवेव प्रबंधन को लेकर लगातार दिशा-निर्देश जारी करने के बावजूद चिकित्सा संस्थानों में समुचित प्रबंध नहीं करने पर सख्त एक्शन लिया है। अस्पतालों में हीटवेव प्रबंधन में खामियों को लेकर चिकित्सा महाविद्यालयों से सम्बद्ध अस्पतालों के 12 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

- **जयपुर के जनाना अस्पताल के अधीक्षक को भी कारण बताओ नोटिस दिया गया है।**

चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि भारत सरकार ने इस बार अत्यधिक गर्मी रहने एवं हीटवेव का अलर्ट जारी किया था। इसके क्रम में प्रदेशभर के चिकित्सा संस्थानों को आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बाद भी कुछ चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव प्रबंधन को लेकर कमियां पाई गईं। इन अस्पतालों में कूलर, पंखे, एसी, वाटर कूलर सहित अन्य व्यवस्थाएं सुचारू नहीं पाई जाने पर संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर 3 दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सवाई मानसिंह अस्पताल में हीटवेव से बचाव के समुचित प्रबंध नहीं पाए जाने पर अतिरिक्त अधीक्षक एवं चिकित्सा प्रभारी अधिकारी विद्युत एवं यांत्रिकी डॉ. गिरीश चौहान, सहायक अभियंता सिविल मोनिका सैनी व अंजू माथुर, सहायक अभियंता इलेक्ट्रिकल सुनील कुमार मीणा तथा अस्पताल अभियंता रवि प्रकाश चौधरी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इसी प्रकार सीकर मेडिकल कॉलेज के एसके हॉस्पिटल, अजमेर मेडिकल कॉलेज के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल, पाली के बांगड अस्पताल, बीकानेर के जनाना अस्पताल, कोटा के एमबीएस अस्पताल, भरतपुर के जनाना अस्पताल एवं जयपुर के जनाना अस्पताल के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

प्रदेश में लू-तापघात से अब तक कोई मौत नहीं होना बताया ए.सी.एस. शुभ्रा सिंह ने

जयपुर। चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने कहा कि प्रदेश में अब तक लू-तापघात से एक भी व्यक्ति की मौत होना सामने नहीं आया है।

- **केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार प्रदेश में अभी तक हीट स्ट्रोक से एक भी मौत प्रमाणित नहीं हुई है।**
- **विभाग द्वारा प्रोटोकॉल में निर्धारित मानकों के अनुरूप ही डेथ ऑडिट की जा रही है।**
- **कोटा और जयपुर में एक-एक मौत लू-तापघात से संदिग्ध श्रेणी में मानी गई थी, डेथ ऑडिट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में इन दोनों मौत को भी हीट स्ट्रोक के कारण नहीं होना बताया है।**

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा संस्थानों में आने वाले सभी रोगियों को समुचित उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। साथ ही अस्पतालों में लू-तापघात से संदिग्ध एवं कन्फर्म्ड मृत्यु की रिपोर्टिंग के लिए केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। डेथ ऑडिट कमेटी द्वारा केन्द्र सरकार के प्रोटोकॉल में निर्धारित मानकों के अनुसार जांच के बाद ही हीट स्ट्रोक से होने वाली मौतों की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। इस प्रोटोकॉल के अनुसार प्रदेश में फिलहाल एक भी मौत हीट स्ट्रोक के कारण रिपोर्ट नहीं हुई है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने शनिवार को मुख्य सचिव द्वारा विभिन्न विभागों के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रदेश में गत एक मार्च से 25 मई को सुबह 10 बजे तक चिकित्सा संस्थानों में आपातकालीन स्थिति में करीब 82 हजार रोगी आए। इनमें से 2243 रोगी हीट स्ट्रोक के थे।

उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार प्रदेश में अभी तक हीट स्ट्रोक से एक भी मौत प्रमाणित नहीं हुई है। विभाग द्वारा प्रोटोकॉल में निर्धारित मानकों के अनुरूप ही डेथ ऑडिट की जा रही है। कोटा और जयपुर में एक-एक मौत लू-तापघात से संदिग्ध श्रेणी में मानी गई थी, डेथ ऑडिट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में इन दोनों मौत को भी हीट स्ट्रोक के कारण नहीं होना पाया है।

सिंह ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा हीट स्ट्रोक से होने वाली मौतों की जांच के लिए निर्धारित पैरामीटर की जानकारी सभी चिकित्सा संस्थानों को दी है। साथ ही लू-ताप से होने वाली मौतों की सूचना आईएचआईपी पोर्टल पर इन्द्राज करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लू-तापघात की स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा संस्थानों में दवा, जांच एवं उपचार आदि के समुचित प्रबंध किए गए हैं। लू से पीड़ित रोगियों के लिए अलग से वार्ड बनाए गए हैं। लू प्रबंधन एवं मौसमी बीमारियों की राज्य, जोनल, जिला एवं खण्ड स्तर से प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है। मौसमी बीमारियों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए नवाचार करते हुए ओडीके एप के माध्यम से रिपोर्टिंग की जा रही है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से 24 घंटे कंट्रोल रूम संचालित किया गया है। चिकित्सा संस्थानों को तात्कालिक आवश्यकताओं जैसे पंखे, कूलर, एसी, वाटर कूलर आदि के लिए आरएमआरएस में उपलब्ध फंड का युक्तिसंगत उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर प्रदेश में लू प्रबंधन एवं मौसमी बीमारियों को लेकर 27 एवं 28 मई को उच्च स्तरीय बैठक में समीक्षा करेंगे।

36-एसएमएस अस्पताल में दुरूस्त हुईं व्यवस्थाएं

सवाई मानसिंह अस्पताल में हीटवेव प्रबंधन के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। हीटवेव के मरीजों के लिए अलग से बैड आरक्षित किए गए हैं। इमरजेंसी आईसीयू में भी 6 बैड आरक्षित किए गए हैं। मरीजों की सुविधा के लिए चरक भवन, ट्रोमा वार्ड, इमरजेंसी सहित अन्य स्थानों पर 35 नए डेजर्ट कूलर लगाए गए हैं। चिकित्सालय में 40 वाटर कूलर संचालित हैं। इनकी नियमित साफ-सफाई एवं सर्विस की जा रही है। विभिन्न आईसीयू में एसी एवं एयर कूलिंग प्लांटस को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। पंजीकरण कक्ष से ओपीडी भवन तक छाया के लिए ग्रीन नेट लगाया गया है। हीटवेव के मरीजों के उपचार के लिए आईस पैक उपलब्ध करवाये गए हैं।

सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर, (का.सं.)। कृष्णा गार्डन में दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग एवं प्रताप नगर सेक्टर 3 के संयुक्त तत्वाधान में आज संभाग स्तरीय पुरस्कार एव सम्मान समारोह आयोजित हुआ। 15 मई से 24 मई तक राजस्थान अंचल, समस्त संभाग एवं महिला अंचल के संयुक्त तत्वावधान में संचालित दस दिवसीय संस्कार शिक्षण शिविर में प्रतापनगर सेक्टर 3 में छह कक्षाएं संचालित हुई। संस्कार सरोवर भाग 1,2,3,4, छहढाला और तत्वार्थसूत्र में 108 शिविरार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। सभी कक्षाओं की 24 मई को प्रात: काल परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित एवं पुरस्कार वितरण किए गए। साथ ही शिविर शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। सांगानेर संभाग के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन मलैया ने बताया कि इस अवसर पर महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पाण्डया, राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, महासचिव महावीर बाकलीवाल , कार्याध्यक्ष डॉ णमोकार जैन, उपाध्यक्ष डॉ मोहन लाल मणि, कोषाध्यक्ष, रमेश चंद्र जैन, मंत्री महावीर चांदवाड, संभाग के परामर्शक प्रेमचंद बड़जात्या, सांगानेर संभाग कार्याध्यक्ष डॉ भाग चंद जैन , महामंत्री डा.अरविन्दकुमार जैन आदि की सम्माननीय उपस्थिति रही।

भागचंद जैन ने बताया कि इकाई के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार झांझरी ने बताया कि इस कार्यक्रम के चित्र अनावरण कर्ता चांददेवी अजमेरा एवं महावीर प्रसाद जैन, मधुबाला देवी जैन थीं। द्वीप प्रज्ज्वलन कर्ता पदमचन्दजी शीलादेवी जैन अलवर वाले थे। मुख्य अतिथि एवं पुरस्कार वितरण कर्ता मधु जैन परिवार रहे।

बिजली शिकायतों के समाधान के बाद सत्यापन के निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में हीटवेव के बढते प्रभाव को देखते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार विद्युत आपूर्ति व अन्य तकनीकी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के साथ ही सर्किल स्तर पर स्थापित कन्ट्रोल रुम पर उपभोक्ताओं की शिकायतों को दर्ज कराने व उनके समाधान की व्यवस्था की हुई है। इन पर दर्ज शिकायतों का त्वरित निस्तारण भी किया जा रहा है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने शिकायत के समाधान के उपरान्त यथा संभव सम्बन्धित उपभोक्ता से शिकायत के समाधान का सत्यापन भी किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नही की जाएगी और कार्य में लापरवाही बरतने वाले कार्मिक के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

पेपर लीक प्रकरण में आरोपी को निर्दोष मानने का प्रार्थना पत्र खारिज

मजिस्ट्रेट ने माना कि पत्रावली में साक्ष्य मौजूद हैं, इसलिये प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जा सकता

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट, महानगर द्वितीय ने पुलिस उप निरीक्षक भर्ती-2021 पेपर लीक और फर्जीवाडे से जुडे मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हरिओम पाटीदार को निर्दोष मानने के लिए एसओजी की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि एफएसएल जांच के अलावा पत्रावली में अन्य साक्ष्य भी मौजूद हैं। ऐसे में प्रकरण के इस स्तर पर एसओजी का यह यह प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सीआरपीसी की धारा 169 के तहत पेश प्रार्थना पत्र में एसओजी की ओर से कहा गया कि एफएसएल जांच में हरिओम पाटीदार के खिलाफ साक्ष्य नहीं आई है। ऐसे में उसे रिहा किया जाए। गौरतलब है कि प्रकरण में एसओजी ने गत 14 अप्रैल को हरिओम पाटीदार को गिरफ्तार किया था। वह तब से ही न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। प्रकरण में एसओजी अब तक भूपेन्द्र सारण सहित कई आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र पेश कर चुकी है। इनमें छह महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं करीब पांच दर्जन से अधिक के खिलाफ जांच लंबित रखी गई है। प्रकरण में एसओजी ने माना है कि आरोपियों ने एक संगठित गिरोह बनाकर सुनियोजित तरीके से आपराधिक षड्यंत्र रहते हुए एसआई भर्ती-2021 के पेपर लीक किए थे और उनका आगे बेचान किया था। वहीं परीक्षा में डमी अभ्यर्थी भी बैठाए गए थे। प्रकरण में अब तक एक आरोपी चंचल कुमारी को जमानत मिल चुकी है। पूर्व में सीएमएम कोर्ट ने प्रकरण के 12 आरोपियों की अवैध हिरासत मानते हुए उन्हें सशर्त रिहा करने को कहा था, लेकिन बाद में इस आदेश को हाईकोर्ट कोर्ट ने रद्द कर डीजीपी को जांच करने को कहा था। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ अब मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

मानव अंग व उत्तक प्रत्यारोपण के लिए सलाहकार समिति गठित

जयपुर। राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर मानव अंग एवं प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत समुचित प्राधिकारी की सहायता एवं सलाह के लिए सलाहकार समिति का गठन किया है।

- **चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव समिति के चेयरपर्सन तथा चिकित्सा शिक्षा आयुक्त सदस्य सचिव होंगे**

चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव इस समिति के चेयरपर्सन तथा चिकित्सा शिक्षा आयुक्त सदस्य सचिव होंगे। समिति में लॉ एंड लीगल अफेयर विभाग के संयुक्त सचिव, एसएमएस मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक के अधीक्षक डॉ. विनय मल्होत्रा, न्यूरोसर्जरी के सीनियर प्रोफेसर डॉ. मनीष अग्रवाल, सेवानिवृत्त आरएएस अधिकारी ओपी गुप्ता, कोटा की डॉ. नील प्रभा नाहर, मोहन फाउण्डेशन चेन्नई के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. सुनील श्रॉफ एवं कांवटिया अस्पताल जयपुर के प्रिंसिपल स्पेशलिस्ट डॉ. दिनेश शर्मा सदस्य होंगे। कमेटी का कार्यकाल दो वर्ष का होगा एवं इसका प्रशासनिक विभाग चिकित्सा शिक्षा विभाग (ग्रुप-1) होगा। ऑथराइजेशन कमेटी के गठन के बाद अंगदान एवं अंग प्रत्यारोपण को लेकर प्रदेश में फिर से मजबूती के साथ कार्य प्रारंभ हो गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि राज्य सरकार अंगदान एवं अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है। विभाग के प्रयासों से कमेटियों के गठन के बाद प्रदेश में अंगदान एवं प्रत्यारोपण का सिलसिला फिर शुरू हो गया है।

हरियाणा के जागरूक मतदाताओं का आभार : पूनिया

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व हरियाणा के चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि संपन्नता, उन्नित एवं विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हरियाणा राज्य के जागरूक मतदाताओं का लोकसभा चुनाव में भागीदारी निभाने पर हार्दिक आभार एवं अभिनंदन।

पूनिया ने कहा कि मुझे विश्वास और उम्मीद है कि विश्व के लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने से लेकर आगामी विधानसभा चुनाव में भी भाजपा की डबल इंजन सरकार बनाने का संकल्प हरियाणा की जनता ने ले लिया है। हरियाणा के परिश्रमी कार्यकर्ताओं, मतदाताओं, किसानों, जवानों, खिलाड़ियों और माता-बहनों का जो स्नेह एवं आशीर्वाद मिला, उससे मुझे बहुत ऊर्जा और ताकत मिली।

नाम परिवर्तन

मैं नगेन्द्र भूषण अपना नाम बदल कर नगेन्द्र भूषण गुप्ता पुत्र राम कृपाल गुप्ता निवासी52/43,शिप्रा पथ, मानसरोवर जयपुर राजस्थान रख रहा हूँ मुझे अब नगेन्द्र भूषण गुप्ता नाम से ही जाना जावे।

I, Amardeep Brother of No. 22058417M Rank SEP Jaydeep R/o Vill. Sunbarsa Bhatpur, Post Bakewar, Tehsil Bharthana, Dist Etawah, (U.P.) has changed my name and DOB from Amardeep to Amar Deep and 16.12.2003 to 06.12.2003 for all future purpose. vide affidavit dated 12.04.2024 before court Jaipur District.

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर (नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांक:- एफ()/व.नि.ज.ग्रेटर/मा.न.जोन/2024/ दिनांक: 25.5.2024
सार्वजनिक सूचना- सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूखण्ड सं. 321-ए, माधव गृह निर्माण सहकारी समिति योजना हिम्मत नगर, जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा श्री कैलाश चन्द सोगानी पुत्र श्री मांगीलाल को क्षेत्रफल 259.06 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था, मूल आंवटी श्री कैलाश चन्द सोगानी पुत्र श्री मांगीलाल की दिनांक 16.05.2007 को मृत्यु होने के पश्चात जीवित वारिसानों द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र दिनांक 22.11.2011 को श्री नरेश सोगानी पुत्र स्व. श्री कैलाश चन्द सोगानी के पक्ष में सम्पादित किया गया है। श्री प्रदीप साह पुत्र श्री मदन लाल साह द्वारा नाम हस्तान्तरण हेतु भूखण्ड सं. 321-ए, माधव गृह निर्माण सहकारी समिति योजना हिम्मत नगर, जयपुर का आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत किये गये रजिस्टर्ड पट्टा विलेख, रजिस्टर्ड हकत्याग व विक्रय पत्र एवं अन्य दस्तावेजो की छायाप्रति के आधार पर भूखण्ड सं. 321-ए, माधव गृह निर्माण सहकारी समिति योजना हिम्मत नगर, जयपुर का नाम हस्तान्तरण नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा श्री प्रदीप साह पुत्र श्री मदन लाल साह के पक्ष में किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

खोया पाया

मेरे आवास संख्या 6/269 मालवीय नगर जयपुर के मकान का कब्जा के संबंध में जारी कब्जा पत्र एवं अदेय प्रमाण पत्र कहीं खो गये हैं। यदि किसी को मिले तो निम्न नम्बरों पर सूचित करें। मो.-9829341375

मेरे प्लॉट नं. 58, राधास्वामी नगर, मानसरोवर, जयपुर के समस्त मूल कागजात तथा पट्टा कहीं खो गये हैं, जो शंकर भवन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा आवंटित किया गया है। मिलने पर सूचित करें:- अंकित जैन- 9929587745

I Sunita Singh W/o Shailendra Singh declare that I have lost my original property document allotment cum demand letter of P.No. 381, Rohini Nagar, phase- 1, avas Yojana letter no F-38(381) JDA Zone-11/ Rohini/2005/3779,date 24/04/2006. If found inform me 9783211111

तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे प्रिय
Prof. (Dr.) K. S. Gupta
(भूतपूर्व विभागाध्यक्ष रसायन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय) 1- क- 14, जवाहर नगर, जयपुर का दिनांक 24.05.2024 को निधन हो गया है। तीये की बैठक दिनांक 26.05.2024 को सांय 5.00 से 6:00 बजे साईं बाबा मंदिर, सर्वानन्द पार्क, सिन्धी कॉलोनी, जवाहर नगर, जयपुर, रखी गई है।
शोकाकुल- श्रीमती माया गुप्ता (पत्नी), रिचा- संदीप, प्रीति- आलोक, रितु (Ex.En PHED)- राजीव(अतिरिक्त श्रम आयुक्त), इति- संजय (पुत्री एवं दामाद) एवं समस्त परिवारजन।
मो.- 9928381204

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अमृत पर्यावरण महोत्सव 8 अगस्त को

जयपुर। प्रदेशभर में वृक्षारोपण का सघन अभियान आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है। योजना के अनुसार एक साथ एक ही दिन में पूरे प्रदेश में करोड़ों की संख्या में पौधे लगाने का कार्यक्रम है। जयपुर में आयोजित पर्यावरणविदों की बैठक में इस अभियान के लिये चर्चा कर निर्णय लिये गये।

बैठक में चर्चा के दौरान बताया गया कि साल दर साल गर्मी की भीषणता बढ़ती जा रही है। तापमान में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वृक्षों की कमी होना है, एक अनुमान के मुताबित वर्तमान में सर्वाधिक तापमान वाले विश्व के 15 शहरों में से 07 शहर अकेले राजस्थान से है। यह हम सभी के लिये खतरे की घण्टी है, यदि बढते तापमान को रोकना है तो हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना होगा। आंकडों के अनुसार राजस्थान में वर्तमान में मात्र 4.87 प्रतिशत ही जमीन पर वृक्षारोपण हो रखा है, अत: राजस्थान प्रदेश में सघन वृक्षारोपण की अत्यन्त आवश्यकता है, ताकि मरूधरा की पहचान वाली वीर भूमि राजस्थान को हरीभरी वसुन्धरा में परिवर्तित किया सके। बैठक में अभियान की तारीख 8 अगस्त तय की गई है इस दिन "अमृत पर्यावरण महोत्सव" के नाम से प्रदेशभर में एक साथ एक ही दिन करोंड़ों पौधे लगाये जायेंगे।

मतगणना केन्द्रों पर कूलर, पानी और मेडिकल की समुचित व्यवस्था होगी : प्रवीण गुप्ता

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने लोकसभा आम चुनाव - 2024 के दौरान राज्य में 25 लोकसभा क्षेत्रों और बागीदौरा विधानसभा उपचुनाव के मतों की गिनती की प्रक्रिया और मतगणना केंद्र की व्यवस्था के बारे में शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने मतगणना की तैयारियों के विषय में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गुप्ता ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए सभी 29 मतगणना केन्द्रों पर कूलिंग की समुचित व्यवस्था और पूरे मतगणना स्थल पर बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मतगणना कार्मिकों और काउंटिंग एजेंट्स की सुविधा के लिए प्रत्येक मतगणना कक्ष में शीतल पेयजल, मेडिकल किट तथा कूलर की व्यवस्था की जाए। सभी मतगणना केन्द्रों पर मीडिया सेंटर में मीडियाकर्मियों के लिए भी कूलिंग की समुचित व्यवस्था की जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों एवं राजनैतिक दलों के ओर से नामित मतगणना एजेंट्स की सूचियां 31 मई शाम 5 बजे तक प्राप्त कर लें। संबंधित रिटर्निंग अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एजेंट्स की योग्यता की जांच कर सूचियों को अंतिम रूप दें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस आयुक्त एवं पुलिस अधीक्षकों को मतगणना केंद्र में सुरक्षा मापदंडों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मतगणना के दिन को पूरे राज्य में ड्राइ डे घोषित किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने लोकसभा आम चुनाव के दौरान राज्य में 25 लोकसभा क्षेत्रों और बागीदौरा विधानसभा उपचुनाव के मतों की गिनती की प्रक्रिया और मतगणना केंद्र की व्यवस्था के बारे में शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

- **मतगणना की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए निर्देश**

गुप्ता ने कहा कि मतगणना से पहले सभी सीयू, वीवीपैट मशीनों और संबंधित दस्तावेजों को स्ट्रॉन्ग रूम से लेकर काउंटिंग हॉल तक लाने और मतगणना पश्चात वापस स्ट्रॉन्ग रूम तक ले जाने की कार्यवाही की निर्बाध सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित की जाए। इस अवधि की सीसीटीवी कवरेज उम्मीदवार अथवा उनके एजेंट मतगणना हॉल में टीवी/ मॉनिटर पर देख सकेंगे। काउंटिंग हॉल में संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया की 360 डिग्री सीसीटीवी कैमरा या वीडियोग्राफी से मय दिनांक और समय की मोहर के साथ कवरेज की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में, ईवीएम या मतपत्रों पर प्रदर्शित वास्तविक वोटों की वीडियो रिकॉर्डिंग नहीं की जाए।